



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 19, 1988 (कार्तिक 28, 1910)  
No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 19, 1988 (KARTIKA 28, 1910)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

## भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकाजों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

विजया बैंक

कार्मिक विभाग (का प्र० व अ० सं०)

प्रधान कार्यालय

बेंगलूर-560001, दिनांक 6 अक्तूबर 1988

सं० 2720—बैंककारी कम्पनी उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण अधिनियम 1980 (1980 का 40) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग में भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मंजूरी के साथ विजया बैंक के निदेशक मण्डल एतद्वारा विजया बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन व अपील) विनियमों में से निम्नलिखित विनियमों का परिवर्तन करता है।

2. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ—(i) इन विनियमों को विजया बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन व अपील) पहला संशोधन विनियम, 1988 कहा जा सकता है।

(ii) वे राजपत्र में उनका प्रकाशन होने के दिनांक से लागू होंगे।

(iii) विजया बैंक अधिकारी (अनुशासन व अपील) विनियम, 1981 के विनियम II में निम्नलिखित प्रावधानों को जोड़ना चाहिये:

“परन्तु, अधिकारी कर्मचारी को किसी आदेश तैयार करने से पहले जुर्माना लगाने का प्रस्ताव पर अभ्यावेदन देने का अवसर दिया जा सकता है।

सी० एच० श्रीधरन,  
महा प्रबन्धक,

## भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

## चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

मद्रास-600034, दिनांक 19 अक्टूबर 1988

सं० 3-एस० सी० ए (5)/13/88-89—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3-एन० सी० ए० (4)/9/83-84 दिनांक 31 मार्च, 1984, 4-एस० सी० ए० (1)/4/82-83 दिनांक 31 मार्च, 1983, 3-एस० सी० ए (4)/10/86-87 दिनांक 27 फरवरी, 1987, 3-ई० सी० ए० (4)/8/87-88 दिनांक 30 दिसम्बर, 1987, 3-ई० सी० ए० (4)/8/87-88 दिनांक 30 दिसम्बर 1987, 3-एस० सी० ए० (4)/10/87-88 दिनांक 29 जनवरी, 1988, 3-एस० सी० ए० (4)/13/85-86 दिनांक 31 मार्च, 1986 और 3-एन० सी० ए० (4)/3/87-88 दिनांक 30 दिसम्बर, 1987 के सन्वर्ध में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथियों से स्थगित कर दिया है।

| क्र० संख्या | सदस्यता नाम एवं पता  | दिनांक    |
|-------------|--|-----------|
| 1           | 2  | 4         |
| 1. 17579    | श्रीनैतन थोमस, ए० सी० ए० प्लेट नं० 101 बी, काणा निकेतन अपार्टमेंट्स, मातिकेयवरी रोड, किलपीक, मद्रास-600010 | 19-8-1988 |
| 2. 19097    | श्री के० कोटेश्वरा राव, ए० सी० ए०, पी० ओ० बाक्स, 688, बोहा-कत्तार  | 2-9-1988  |
| 3. 19527    | श्री के० सी० शेकर, एफ० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, पी० ओ० बाक्स 485, साफ्ट-13005, साफ्ट—कुवैत          | 8-9-1988  |
| 4. 19693    | श्री कोल्लु कृष्णामूर्थी, ए० सी० ए० 24-32/4, विष्णुपुरी, साफिलगुडा, हैदराबाद-500047                        | 30-9-1988 |

| 1  | 2     | 3  | 4         |
|----|-------|--|-----------|
| 5. | 23812 | श्री जे० कोठनारामन, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 2, राजाजी 2 स्ट्रीट, नन्गम्बकम, मद्रास-600054।                            | 16-9-1988 |
| 6. | 24368 | श्री एस० सुब्रामन्यम, ए० सी० ए०, एकाउन्टेन्ट, दि इण्डियन एक्सप्रेस, क्वीन्स रोड, बंगलौर-560001                                 | 19-9-1988 |
| 7. | 50796 | श्री पी० एस० विश्वनाथन, ए० सी० ए०, केयर आफ अरब कोमर्शियल एन्टरप्राइजिज लिमिटेड, पी० ओ० बक्स 358, एल खोबर-31952, साउदी अरेबिया, | 19-9-1988 |
| 8. | 85597 | श्री प्रवीन गुप्ता, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, ए-19/1, विजयकिरण अपार्टमेंट्स, 32, विक्टोरिया रोड, बंगलौर-560047          | 12-9-1988 |

एम० सी० नरसिम्हन,  
सचिव

कलकत्ता-700071, दिनांक 28 अक्टूबर 1988

सं० 3-ई० सी० ए० (8)/5/88-89—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 10(1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए गए प्रविटस प्रमाण पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रविटस प्रमाण पत्र को रखने के हज्जुक नहीं हैं:—

| क्रम संख्या | सदस्यता सं० | नाम एवं पता  | दिनांक   |
|-------------|-------------|--|----------|
| 1           | 2           | 3  | 4        |
| 1.          | 1128        | श्री अरुण कुमार मित्रा, ए० सी० ए०, बी 13/4, कल्याणह, पी० ओ० कल्याणी, डिस्ट० ताबिया | 1-4-1988 |

| 1  | 2  | 3        | 4 |
|----|--|----------|---|
| 2. | 50585 श्री हरीश के. वर्मन,<br>ए. सी. ए.,<br>76/ए, एन. एस. रोड,<br>कलकत्ता-700007   | 1-4-1988 |   |
| 3. | 53779 श्री प्रवीण कुमार झोलिया,<br>ए. सी. ए.,<br>केय. भा. पी. के. झोलिया<br>एण्ड कं.,<br>85, मेटकाफ स्ट्रीट,<br>कलकत्ता-700013 | 1-8-1988 |   |
| 4. | 59973 श्री सुधीर महेश्वरी,<br>ए. सी. ए.,<br>19, हिन्दुस्तान रोड,<br>ब्लाक-बी, प्लॉट 7,<br>कलकत्ता-700029                       | 1-6-1988 |   |
| 5. | 54223 श्री तपस पाल,<br>ए. सी. ए.,<br>1/2, कालेज इसबवायर,<br>कलकत्ता-700073।  | 1-9-1988 |   |

एम. सी. नरसिम्हन,  
सचिव

मद्रास-600034, दिनांक 2 नवम्बर 1988

सं. 3-एस. सी. ए. (4)/6/88-89--चार्टर्ड  
प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण  
में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त  
लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा  
1(क) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय  
चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता  
रजिस्टर में से मृत्यु ही जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों  
का नाम उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है :-

| क्र. संख्या | सदस्यता संख्या | नाम एवं पता  | दिनांक     |
|-------------|----------------|--|------------|
| 1           | 2              | 3  | 4          |
| 1.          | 1949           | श्री बी. एस. एन. भूषण<br>2 पलोर, कल्याणी मन्तापा,<br>अट्टीगुप्पा 2 मैन रोड,<br>विजयानगर ईस्ट,<br>बंगलूर-560040 | 6-9-1988   |
| 2.          | 2018           | श्री बी. के. कृष्णन,<br>38, 2 मैन रोड,<br>राजा अन्नामलाइपुरम,<br>मद्रास-600028                                 | 20-10-1988 |

| 1  | 2   | 3         | 4 |
|----|---|-----------|---|
| 3. | 6041 श्री जे. आर. कृष्णास्वामी,<br>ए. बी-88, अन्नानगर,<br>मद्रास-600040   | 5-4-1988  |   |
| 4. | 7119 श्री आर. आर. वैद्या,<br>3-5-997, नारायणगुडा,<br>हैदराबाद-500029  | 9-8-1988  |   |
| 5. | 12415 श्री के. विजया कुमार,<br>मैसर्स लक्ष्मी फाइनैन्स, एण्ड<br>इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन लि.<br>सूर्योदया, 1-10-60/3,<br>बेगमपेट, हैदराबाद-500016 | 20-8-1988 |   |
| 6. | 81249 श्री सी. अन्नार्थ्या,<br>नं. 21, सिद्धान्त रोड,<br>मालेश्वरम,<br>बंगलूर-560003।   | 14-7-1988 |   |

एम. सी. नरसिम्हन,  
सचिव

#### कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1988

कर्मचारी राज्य बीमा साधारण (संशोधन) विनियम, 1988  
1988 की संख्या-2

सं. एन-12/13/1/86-यो. एवं वि.---कर्मचारी  
राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा  
97 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य  
बीमा निगम (साधारण) विनियम, 1950 को आगे संशोधित  
करने के लिये उक्त धारा की उप धारा (1) द्वारा यथा-  
अपेक्षित सुझाव/आपत्तियां आमंत्रित करते हुए भारत के  
राजपत्र (भाग-3 अनुभाग-4) दिनांक 25-10-1986 में  
इनके पूर्व प्रकाशन के बाद इसके द्वारा निम्नलिखित विनियम  
बनाता है, अर्थात् :-

1. (i) ये विनियम कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण)  
(संशोधन) विनियम, 1988 कहे जायेंगे।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की  
तारीख से प्रभावी होंगे।

2 (i) विनियम 26 के उप-विनियम (1) में  
मौजूदा धारा (क) के स्थान पर निम्नलिखित  
प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(क) जिससे यह संबंधित है, उस अंशदान अवधि  
की समाप्ति के 42 दिन के अन्दर।

(ii) विनियम 26 के उपविनियम (1) में मौजूदा  
धारा (ख) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित  
किया जायेगा।

“(ख) “किसी कारखाने या किसी स्थापना जैसी भी स्थिति हो, के स्थायी रूप से बन्द हो जाने की तारीख के 21 दिन के अन्दर।”

(iii) विनियम 31 में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायेगा:—

“परन्तु किसी कारखाना/स्थापना के स्थायी रूप से बन्द हो जाने की स्थिति में नियोजक उसके बन्द होने के अन्तिम दिन के अंशदान की अदायगी करेगा।”

हरभजन सिंह,  
निदेशक (पी० एल० आई०)

#### संचार मंत्रालय

#### डाक विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 सितम्बर, 1988

#### सूचना

सं० 25-3/88-एल० आई०-विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्त्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिये प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण की चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन देन न करें:—

| क्रम संख्या | पालिसी संख्या     | दिनांक           | बीमा कर्त्ताओं का नाम | राशि (रुपये) |
|-------------|-------------------|------------------|-----------------------|--------------|
| 1.          | 197442-पी 10-5-72 | श्री विलोचन सिंह | 8,000/-<br>₹०/५०      |              |

ज्योत्सना धीश  
निदेशक (पी० एल० आई०)

#### राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1988

सं० रा० सं० वि० नि० 1-3/2-प्रशा :-राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सेवा विनियम, 1967 के विनियम 67 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निगम के प्रबन्ध मण्डल ने केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, रा० सं० वि० नि० यात्रा तथा वैयक्तिक भत्ता विनियमों में निम्न संशोधन किया है:—

(i) विनियम 1.2 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाये:—

मूल नियम 9 (21) (क) (i) में परिभाषित वेतन से तात्पर्य मूल वेतन से है।

(ii) विनियम 2 निकाल दिया जाये। विनियम 1.3 को 2 के रूप में क्रमांकित किया जाये।

(iii) विनियम 3.1 में, जहां कहीं भी “रु० 1800/- प्रति मास” शब्द तथा आंकड़े आते हैं, उनके स्थान पर “रु० 4100/- प्रति मास” शब्दों तथा आंकड़ों को प्रतिस्थापित किया जाये।

(iv) विनियम 3.2 में, जहां कहीं भी “रु० 2000/- प्रति मास” शब्द एवं आंकड़े आते हैं, उनके स्थान पर “रु० 5100/- प्रति मास” शब्दों तथा आंकड़ों को प्रतिस्थापित किया जाये।

(v) विनियम 3.3 के लिये निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाये:—

निगम के अन्य कर्मचारी निम्न श्रेणियों द्वारा यात्रा करने के लिये हफ्तार होंगे:—

| मूल वेतन श्रेणी (रु०) | हफ्तारी                                |
|-----------------------|--|
| 2800-5099             | वातानुकूलित 2-टायर स्लीपर/प्रथम श्रेणी |
| 1400-2799             | प्रथम श्रेणी/वातानुकूलित चैयर कार      |
| 1400 से कम            | द्वितीय श्रेणी (स्लीपर)                |

(VI) विनियम 4 में, “क तथा ख वर्ग के कर्मचारी” और “ग तथा घ वर्ग के कर्मचारी” शब्दों के स्थान पर क्रमशः “रु० 1900 तथा इससे अधिक मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी” तथा “रु० 1900 से कम मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाये।

(VII) विनियम 5 तथा 5.1 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाये:—

5. कर्मचारियों को स्वीकार्य वैयक्तिक भत्ते की दरें निम्न प्रकार से होंगी:—

(रु० में)

| वेतन श्रेणी                        | “क” श्रेणी के शहर | “ख-1” अन्य स्थान के शहर |    |
|------------------------------------|-------------------|-------------------------|----|
| प्रबन्ध निदेशक रु० 4100/- तथा अधिक | 100               | 85                      | 80 |
| 3000-4099                          | 90                | 75                      | 70 |
| 1640-2999                          | 75                | 60                      | 50 |
| 1640 से कम                         | 65                | 55                      | 45 |
|                                    | 55                | 45                      | 35 |

नोट:—वैयक्तिक भत्ते की दर में उसी प्रतिशतता से वृद्धि होगी जैसे कि भारत सरकार द्वारा, समय समय पर, महंगाई

भत्ते में वृद्धि के आधार पर प्रभावी महंगाई भत्ते की प्रति-  
शतता में वृद्धि की जाती है।

5.1 समर्थन वाउचर प्रस्तुत करने के लिये कर्मचारी को  
स्वीकार्य आवास प्रभार (सेवा प्रभारों सहित)  
निम्न प्रकार से होगा :—

आवास प्रभार

| वेतन की श्रेणी<br>(रूपये में)   | 'क' श्रेणी<br>के शहर                                 | "ख-1" श्रेणी<br>के शहर | अन्य स्थान    |
|---|--|------------------------|---------------|
| 1 प्रबन्ध निदेशक अशोक होटल नई दिल्ली में एक कमरे के किराये तक सीमित                   | कालम का** 75%  | कालम का** 75%          |               |
| 2 5301 तथा अधिक (मुख्य निदेशक से ऊपर तथा उसके समतुल्य पद के अधिकारियों के लिये सीमित) | होटल कनिष्ठ नई दिल्ली में एक कमरे के किराये तक सीमित | वही                    | वही           |
| 3 3500-5300   | लोदी होटल, नई दिल्ली में एक कमरे के किराये तक सीमित  | कालम का** 75%          | कालम का** 75% |
| 4 2200-3499   | उपरोक्त का 75%                                       | वही                    | वही           |
| 5 1400-2199   | उपरोक्त का 40%                                       | वही                    | वही           |
| 6 950-1399  | उपरोक्त का 30%                                       | वही                    | वही           |
| 7 रु० 950/— से कम   | उपरोक्त का 15%                                       | वही                    | वही           |

नोट:—(i) उपरोक्त दरों पर आवास प्रभार विनियम 5 के अनुसार दैनिक भत्त के अतिरिक्त स्वीकार्य होगा।

(ii) अशोक होटल, कनिष्ठ होटल तथा लोदी होटल के कमरे की दर-सूची कर्मचारियों को समय समय पर परिष्कृत की जायेगी।

(iii) विनियम 5.4 में जहाँ कहीं भी "वर्ग क के कर्मचारी" शब्द आते हैं, उनके स्थान पर "रु० 3000/— तथा उससे अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाये।

2 ये संशोधन भारतीय राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

कृष्ण ब्याल राय,  
वित्त सहायक

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

संस्कृति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सं० एक० 13-18/81-सी० एच०-5-जी०एस० आर०-  
विक्टोरिया मेमोरियल कानून, 1903 (1903 के 10) की धारा  
6 की उपधारा (1) के तहत दिए गए अधिकारों का प्रयोग  
करते हुए ट्रस्टी ने केंद्रीय सरकार का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त कर  
एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाए हैं यथा :—

1. संक्षिप्त शीर्षक तथा प्रारम्भ,

(1) इन नियमों को विक्टोरिया मेमोरियल सेवा नियम,  
1987 कहा जा सकता है।

(2) अधिकृत राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से वे  
प्रभावी हो जायेंगे।

2. परिभाषा

संदर्भ अगर अन्य न हों, तो इस नियम में --

(1) "कानून" अर्थात् विक्टोरिया मेमोरियल कानून,  
1903 (1903 के 10);

(2) "सरकार" अर्थात् केंद्रीय सरकार;

(3) "मेमोरियल" अर्थात् विक्टोरिया मेमोरियल, कल-  
कत्ता;

(4) ट्रस्टी अर्थात् कानून की धारा 2 के तहत गठित विक्-  
टोरिया मेमोरियल, कलकत्ता के ट्रस्टी-बोर्ड।

3. पद का वर्गीकरण तथा वेतनमान

मेमोरियल के अन्तर्गत पद का वर्गीकरण तथा उसके  
सम्बद्ध वेतनमान निम्नलिखित रहेंगे।

(i) श्रेणी-I ऐसे पद जिन पर वेतन अथवा वेतनमान अधिक-  
तम रु० 1300/- (पूर्व संशोधित) से कम न  
हो।

(ii) श्रेणी-II ऐसे पद जिन पर वेतन अथवा वेतनमान  
अधिकतम रु० 1300/- से कम हो, परन्तु रु०  
900/- (पूर्व संशोधित) से कम न हो।

(iii) श्रेणी-III ऐसे पद जिन पर वेतन अथवा वेतनमान  
अधिकतम रु० 900/- से कम हो, परन्तु  
रु० 260/- से कम न हो। (पूर्व संशोधित)

(iv) श्रेणी-IV ऐसे पद जिन पर वेतन अथवा वेतनमान  
अधिकतम रु० 260/- (पूर्व संशोधित) से  
कम हों।

4. पद-सृष्टि

ट्रस्टी सरकार का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त करके, उसके द्वारा  
रखी गयी शर्तों के अधीन ऐसे पदों की सृष्टि कर सकते हैं, जो  
मेमोरियल के रख-रखाव या देखभाल के लिये जरूरी समझे जायें  
तथा वे ऐसे पदों से सम्बद्ध वेतनमान को निर्धारित अथवा

परिवर्तित करने तथा ऐसे पदों के पुनः वर्गीकरण करने पर निर्णय ले सकते हैं।

#### 5. नियुक्ति

केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन के साथ ही मेमोरियल के न्याय-सियों द्वारा निर्धारित योग्यता तथा आवश्यकताओं के अधीन मेमोरियल में समस्त पदों पर नियुक्तियाँ निम्न प्रकार से होंगी—

- (क) री गार विनियम कार्यालय अथवा विज्ञापन अथवा उभय के माध्यम से प्रत्यक्ष नियुक्ति; या दोनों या
- (ख) प्रोन्नति; या
- (ग) केन्द्रीय सरकार के संग्रहालयों अथवा केन्द्रीय सरकार के सहायता प्राप्त संग्रहालयों अथवा ऐसे कार्यों से जुड़ी सांविधिक संस्थाओं से जो स्मारकों अथवा संग्रहालय की तरह कार्य करती है, स्थानान्तरण (तबादला), श्रृण अथवा अन्य तरीके से नियुक्ति।

बशर्ते कि नियुक्तियों में इसका ध्यान रखा जाएगा कि इस सम्बन्ध में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी आदेशों के साथ संगति रखते हुए अनुसूचित जाति तथा जातियों एवं अन्य विशेष श्रेणी के लोगों को दी जाने वाली आयु सीमा तथा अन्य प्रकार की छूट तथा आरक्षण को उपरोक्त नियम प्रभावित नहीं करें।

(2) समस्त पदों पर नियुक्तियाँ चयन समिति को सिफारिश पर की जाएंगी, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति शामिल रहेंगे—

- (क) (श्रेणी-I के पदों के मामले में) :—
  - (i) ट्रस्टी की कार्यकारिणी समिति का चेयरमैन;
  - (ii) ट्रस्टी द्वारा स्वयं से नामजद किए गए दो सदस्य;
  - (iii) सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष, विक्टोरिया मेमोरियल;
  - (iv) पद से सम्बद्ध ज्ञान शाखा का एक व्यक्ति, जिसे ट्रस्टी नामजद करेंगे;
  - (v) विक्टोरिया मेमोरियल से संबंधित मुद्दों पर कार्य करने वाले विभाग मंत्रालय से भारत सरकार का एक प्रतिनिधि या नामजद व्यक्ति।
- (ख) (श्रेणी-II तथा श्रेणी-III के पदों के मामले में)
  - (i) ट्रस्टी द्वारा स्वयं से नामजद किया गया एक व्यक्ति;
  - (ii) पद से सम्बद्ध ज्ञान शाखा का एक व्यक्ति, जिसे ट्रस्टी नामजद करेंगे;
  - (iii) सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष, विक्टोरिया मेमोरियल;
  - (iv) विक्टोरिया मेमोरियल से संबंधित मुद्दों पर कार्य करने वाले विभाग/मंत्रालय से भारत सरकार का एक प्रतिनिधि/नामजद व्यक्ति।
- (ग) (श्रेणी-IV के पदों के मामले में)
  - (i) विक्टोरिया मेमोरियल के सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष,
  - (ii) मेमोरियल का एक बरिष्ठ प्रथम श्रेणी का अधिकारी।

(3) श्रेणी-I के समस्त पदों के लिए नियुक्ति का अधिकार ट्रस्टी पर रहेगा तथा मेमोरियल के सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष को उससे निम्न श्रेणी के अन्य पदों पर नियुक्ति करने का अधिकार होगा।

(4) मेमोरियल के समस्त पदों पर नियुक्ति इस नियम के अनुबंध-1 में दिए गए शारीरिक योग्यता के डाक्टरी प्रमाण पत्र को पेश करने तथा सम्बद्ध व्यक्ति के चरित्र एवं पूर्ववर्ती जीवन-वृत्त की जांच के अधीन है, इसमें केवल ऐसे मामले शामिल नहीं हैं, जहाँ ट्रस्टी विचार रखते हों कि शारीरिक क्षमता के मान में घूट देने की आवश्यकता के पीछे वह है, जिसे लिखित रिकार्ड किया जाएगा।

#### 6. परख अवधि

(1) इन नियमों के शुरू होने के पश्चात् मेमोरियल में किसी पद पर नियुक्त होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को एक वर्ष के लिए परख-अवधि में रहना होगा, चाहे उसे प्रोन्नति मिली हो या सीधी नियुक्ति मिली हो।

बशर्ते नियुक्ति करने वाले अधिकारी लिखित रिकार्ड किए गए कारणों से कर्मचारी की परख-अवधि को बढ़ाकर दो वर्ष (परन्तु उससे अधिक नहीं) कर दें।

(2) परीक्षार्थी को नियुक्त करने वाले अधिकारियों के विवेचन से पद के लिए उपयुक्त पाए जाने के पश्चात् परख-अवधि पूरी होने पर स्थायी किया जाएगा।

(3) परीक्षार्थी को, जो नियुक्ति करने वाले अधिकारियों के विवेचन से पद के लिए अनुपयुक्त पाए जायेंगे, उन्हें प्रत्यक्ष नियुक्ति होने पर बर्खास्त कर दिया जाएगा अथवा यदि नियुक्ति प्रोन्नति करके की गयी होगी, तो पुनः वास्तविक पद पर भेजा दिया जाएगा।

#### 7. सेवा समाप्ति

(1) अस्थायी कर्मचारी को लिखित सूचना देकर, जो एक महीने से कम की नहीं होगी अथवा इस सूचना के बदले एक महीने का वेतन तथा भत्ता देने के पश्चात् नियुक्ति करने वाले अधिकारी किसी भी समय कोई कारण बताए बगैर सेवा से मुक्त कर सकते हैं। यदि ऐसी सूचना एक महीने से कम की होती है, तो एक महीने से कम होने वाली अवधि के लिए वेतन तथा भत्ता देकर सेवामुक्त किया जा सकता है।

(2) उप नियम (1) के प्रावधानों की पूर्ण धारणा पर ध्यान दिए बगैर निम्न स्थितियों में अस्थायी कर्मचारी की सेवार्थ समाप्ति की जा सकती है—

- (i) यदि उसकी नियुक्ति अस्थायी पद के रूप में की गई हो तो पद समाप्ति पर अथवा वह अवधि समाप्ति हो गई हो, जिसके लिए पद की सृष्टि हुई है; अथवा
- (ii) यदि उसकी नियुक्ति, उस पद की अवधि समाप्त होने पर, एक निर्दिष्ट अवधि के लिए की गई हो।

(3) परिवीक्षार्थी की सेवाएँ प्रयोजन पर आदेश द्वारा समाप्त की जा सकती है या उसे निम्न पद पर मेजा जा सकता है और इसके लिए नियम 12 के उपनियम (5) के तहत किसी औपचारिक कारवाही की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

(4) एक स्थायी कर्मचारी की सेवा को, जो पद पर वास्तविक रूप से नियुक्त किया गया है और यदि वह पद समाप्त कर दिया जाता है, तो ट्रस्टी लिखित सूचना देकर, जो तीन महीने से कम की नहीं होगी अथवा इस सूचना के बदले तीन महीने का वेतन तथा भत्ता देने के पश्चात् सेवा से मुक्त कर सकते हैं। यदि ऐसी सूचना तीन महीने से कम की होती है, तो तीन महीने से कम होने वाली अवधि के लिए वेतन तथा भत्ता देकर उसे सेवानिवृत्त किया जा सकता है।

(5) कर्मचारी को, जिसे उप नियम (1) अथवा उप-नियम (3) के तहत सेवा समाप्ति की सूचना दी गई हो, सूचना के दौरान ऐसी छुट्टियाँ मंजूर की जा सकती हैं, जो सूचना अवधि से ज्यादा है और स्वीकृत की गई हों तथा वहाँ ऐसी छुट्टी मंजूर की गई हो, वहाँ सूचना की अवधि की समाप्ति अथवा छुट्टी की अवधि के; जो अन्त में हो, बाद सेवा मुक्त समझा जाएगा।

(6) स्थायी कर्मचारी कम से कम तीन माह की सूचना देकर मेमोरियल की सेवा से इस्तीफा देने का प्रस्ताव कर सकते हैं। तथा अस्थायी कर्मचारी अथवा परिवीक्षार्थी एक महीने की सूचना देकर मेमोरियल की सेवा से इस्तीफा देने का प्रस्ताव कर सकते हैं।

### 8. सेवा निवृत्ति

1(क) इस नियम में रखे अन्त्यत्व को छोड़कर, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी के अलावा विक्टोरिया मेमोरियल के प्रत्येक कर्मचारी 58 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले महीने की अन्तिम तिथि को सेवा निवृत्त होंगे।

(ख) ट्रस्टी की मंजूरी पर एक कर्मचारी को, जिस पर धारा (क) लागू होती है, लिखित रिपोर्ट किए गए अनहित के आधार पर, 58 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले महीने की अन्तिम तिथि के बाद सेवा अवधि में वृद्धि की जा सकती है।

परन्तु इस धारा के तहत 60 वर्ष से ज्यादा की आयु के बाद किसी सेवा वृद्धि को मंजूर नहीं किया जाएगा तथा ऐसी सेवा वृद्धि एक साथ एक वर्ष से ज्यादा के समय की किसी अवधि के लिए मंजूर नहीं की जाएगी।

(2) उप नियम (1) में शामिल बातों के बावजूद ट्रस्टी, जो यदि विचार रखते हों, कि ऐसा करना अनहित में है, एक कर्मचारी को, जिस पर उप नियम (1) की धारा (क) लागू होती है, 55 वर्ष के पश्चात् सेवा निवृत्त कर सकते हैं। इसके लिए सेवा निवृत्त किए जाने वाले कर्मचारी को लिखित सूचना देकर, जो तीन महीने से कम की नहीं हो अथवा ऐसी सूचना के बदले तीन महीने का वेतन तथा भत्ता देकर सेवा निवृत्त कर सकते हैं।

(3) कोई भी कर्मचारी, जिस पर उप नियम (1) की धारा (क) लागू होती है, 55 वर्ष की आयु के पश्चात् ट्रस्टी को लिखित सूचना देकर, जो तीन महीने से कम की नहीं, अवकाश ग्रहण कर सकता है।

परन्तु ट्रस्टी को ऐसे कर्मचारी के लिये अनुमति रोकने का अधिकार होगा, जो निलम्बित है और इस उप-नियम के तहत अवकाश ग्रहण करना चाहता है।

(4) प्रत्येक श्रेणी-IV का कर्मचारी 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले महीने की अन्तिम तिथि को सेवानिवृत्त हो जायेगा।

### 9. पुनः रोजगार

यहाँ ट्रस्टी का यह विचार होगा कि नियम 8 के तहत सेवा निवृत्त हुये व्यक्ति को पुनः रोजगार देना अनहित अथवा मेमोरियल के हित में आवश्यक है, वे पुनः रोजगार दे सकते हैं, जो उनके द्वारा निर्धारित शर्तों एवं शर्तों के अधीन होगा।

परन्तु इस नियम के तहत श्रेणी I, श्रेणी II तथा श्रेणी III के पदों के लिये 60 वर्ष तथा श्रेणी-IV के लिये 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले व्यक्ति को पुनः रोजगार नहीं दिया जायेगा।

### 10. भविष्य निधि

कर्मचारियों की भलाई के लिये साधारण भविष्य निधि नियम 1972 और उसमें समय-समय पर किये संशोधनों के अनुसार, एक साधारण भविष्य निधि होगी, जिसका संचालन विक्टोरिया मेमोरियल हाल करेगा।

### 11. सेवा निवृत्त तथा अन्य सुविधाएँ

केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिये स्वीकृत पारिवारिक पेंशन सहित पेंशन, आनुतोषिक, सन्तान चिकित्सा भत्ता, छुट्टी, यात्रा भत्ता, छुट्टी यात्रा रियायत तथा चिकित्सा सुविधाओं की शर्तों के नियमन के लिये समय सापेक्ष जो नियम लागू होते हैं, वे समय-समय पर विक्टोरिया मेमोरियल के कर्मचारियों पर भी लागू होंगे।

परन्तु चिकित्सा सुविधा की स्वीकृति ट्रस्टी द्वारा समय-समय पर लगाये ये निवेदों और शर्तों के अधीन होगी।

(2) कार्यकाल के समय उपयोग के लिये निम्नलिखित श्रेणी के कर्मचारियों को ट्रस्टी द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गयी वर्दी दी जायेगी :—

(क) समस्त श्रेणी-IV के कर्मचारी;

(ख) वाहन चालक तथा बर्दई।

### 12. निलम्बन और दण्ड

(1) आपराधिक कार्यों में दोषी पाये जाने पर एक कर्मचारी को आधार के आधार पर वर्खास्त अथवा सेवा से मुक्त अथवा पदावनति किया जा सकता है।

(2) (क) नियुक्ति करने वाले अधिकारी अथवा कोई भी अधिकारी, जिसके अधीन उक्त कर्मचारी कार्यरत है अथवा ट्रस्टी बोर्ड की ओर से क्षमता प्राप्त अनुशासन सम्बन्धी अधिकारी, कर्मचारी को निलम्बित कर सकते हैं—

- (i) जहाँ उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया गया है अथवा लम्बित है; या
- (ii) जहाँ उसके खिलाफ किसी भी आपराधिक मामले के संबंध में कानूनी कार्रवाई, जांच तथा पूछताछ की जा रही हो।

(ख) नियुक्ति अधिकारी अथवा कोई भी अधिकारी, जिसके अधीन उक्त कर्मचारी कार्यरत है अथवा ट्रस्टी बोर्ड की ओर से क्षमता प्राप्त अनुशासन सम्बन्धी अधिकारी के एक आदेश से कर्मचारी को निलम्बित समझा जायेगा :—

- (i) यदि वह कर्मचारी 48 घंटे से ज्यादा की अवधि तक आपराधिक मामले या अन्य रूप से हिरासत में रखा जाता है, तो हिरासत में रखने की तिथि से निलम्बन प्रभावी हो जायेगा।
- (ii) यदि उस कर्मचारी को 48 घंटे से ज्यादा की अवधि के लिये सजा दी जाती है और अपराध सिद्ध होने के कारण वह तुरंत बर्खास्त, अथवा हटा अथवा बाध्यतामूलक अवकाश ग्रहण नहीं करा दिया जाता है, जो अपराध की पुष्टि होने की तिथि से निलम्बन प्रभावी हो जायेगा।

(ग) इस नियम के तहत दिये गये अथवा समझे गये निलम्बन के आदेश को, किसी भी समय नियुक्ति करने वाले अधिकारी अथवा अन्य कोई भी अधिकारी, जिसके अधीन नियुक्त करने वाले अधिकारी हों, परिवर्तित अथवा समाप्त कर सकते हैं।

(3) निलम्बित कर्मचारी गुजारा भत्ता के रूप में निलम्बन की तिथि पर वेतन का आधार (उससे अधिक नहीं) तथा सामान्य भत्ते को, जो वेतन की तिथि पर था, प्राप्त करने के एकदर होंगे।

परन्तु ऐसा भुगतान कटौतियों के अधीन होगा, जो आयकर, किराया, बिजली खर्च आदि, ऋण तथा अग्रिम की बसूली, मेमोरियल द्वारा किये गये अधिक भुगतान तथा मेमोरियल को हुई क्षति, जिसके लिए वे जिम्मेवार पाये जायें, के मद में प्रति महीने गुजारा भत्ता की कुल राशि का अधिकतम आधा तक हों सकता है।

(4) कर्मचारी को समुचित और पर्याप्त कारण होने पर निम्नलिखित दण्ड दिये जा सकते हैं—

- (i) भर्त्सना करना;
- (ii) वेतन वृद्धि और प्रोन्नति को रोक रखना;
- (iii) बरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों अथवा आदेशों को न पालन करने अथवा लापरवाही करने की वजह से मेमो-

रियल को हुई वित्तीय क्षति का आंशिक अथवा पूरे का वेतन से बसूली।

(iv) निम्न पद अथवा निम्न समयमान अथवा समयमान के निम्न चरण में उतारना;

(v) बाध्यतामूलक सेवा निवृत्त; तथा

(vi) सेवा से हटाना या बर्खास्त करना।

5. किसी भी कर्मचारी को दण्ड देनेवाला कोई आदेश तभी पारित होगा, जब—

(क) कर्मचारी को, उसके खिलाफ कार्रवाई करने के प्रस्ताव को तथा आरोपों को, जिनके लिये उसके खिलाफ कार्रवाई करने का प्रस्ताव किया गया है, के सम्बन्ध में लिखित सूचित किया जायेगा और लिखित रूप से या मौखिक रूप से, जिसे वह पसंद करे प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जायेगा

(ख) यदि ऐसा कोई प्रतिनिधित्व होता है, तो उस पर अधिकारी विचार करेंगे; और

(ग) जांच अधिकारी की रिपोर्ट पर अनुशासनाधिकारी विचार करेंगे।

6(क) ऐसे मामलों जहाँ उधार के तौर पर लिये गये किसी कर्मचारी के खिलाफ अनुशासन-मूलक कार्रवाई को आरम्भ या निलम्बन का आदेश तैयार किया जाता है, तो जिन परिस्थितियों में निलम्बन का आदेश तैयार किया जाता है अथवा ऐसे मामले में जहाँ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू होती है, के बारे में कर्मचारी देने वाले अधिकारी को तत्काल सूचना दी जायेगी।

(ख) ऐसे किसी कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के जांच परिणाम के संदर्भ में—

(i) यदि ट्रस्टी यह दृष्टिकोण अपनाते हों कि उक्त कर्मचारी के खिलाफ उप-नियम 4 की धारा (iv) से (vi) के तहत उल्लिखित कोई दण्ड देना चाहिये, तो वे कर्मचारी देने वाले अधिकारी को उनकी सेवायें निपटान हेतु प्रेषित कर सकते हैं तथा आवश्यकता समझने पर ऐसी कार्रवाई हेतु जांच की प्रक्रिया को भेज सकते हैं।

(ii) यदि ट्रस्टी यह दृष्टिकोण अपनाते हों कि कोई अन्य दण्ड उक्त कर्मचारी को देना चाहिये, तो वे आवश्यकता समझने पर कर्मचारी देनेवाले अधिकारी से सलाह-मशविरा करने के पश्चात् ऐसे आदेश जारी कर सकते हैं।

परन्तु ट्रस्टी तथा कर्मचारी देनेवाले अधिकारी के बीच मत-विरोध पेश होने की स्थिति में कर्मचारी देनेवाले अधिकारी को उक्त कर्मचारी की सेवायें निपटान हेतु प्रेषित कर दी जायेंगी।

(7) इस नियम की अनुबंध सारणी में उल्लिखित अधिकारी को उपनियम 4 में लिखित किसी भी दण्ड आदेश लगाये जाने अथवा निलम्बन का आदेश देने के खिलाफ कर्मचारी अपील कर सकता है।



(8) इस नियम के तहत दी गयी किसी अपील पर विचार नहीं किया जायेगा, यदि अपीलकर्ता को आदेश की प्रतिलिपि देने की तिथि के 45 दिन के भीतर अपील प्रस्तुत नहीं की जाती है।

परन्तु अपील पर विचार करनेवाले अधिकारी समय पर अपील न प्रस्तुत कर पाने के पर्याप्त कारणों से संतुष्ट होते हैं, तो उपरोक्त अवधि के बाद भी अपील पर विचार किया जा सकता है।

### 13. पूर्णकालिक रोजगार

यदि किसी मामले में स्पष्ट रूप से दूसरे ढंग से न कहा गया हो, तो ट्रस्टी विक्टोरिया मेमोरियल के कर्मचारी का पूर्ण समय का निपटान करेंगे भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के साथ संगति रखते हुये अतिरिक्त कार्य के लिये कर्मचारी अतिरिक्त (ओवरटाइम) भत्ता का हकदार होगा।

### 14. सम्बन्धित वर्तमान कर्मचारी इस नियम के तहत नियुक्त समझे जायेंगे

इस नियम के लागू होने के तत्काल पूर्व तक मेमोरियल में पद पर कार्य करनेवाले प्रत्येक कर्मचारी इस नियम के अन्तर्गत होने के साथ ही उसी पद पर इस नियम के प्रावधानों के तहत नियुक्त समझे जायेंगे और उसके तत्काल पूर्व तक प्राप्त किये जा रहे वेतन को प्राप्त करते रहेंगे।

### 15. सेवा पुस्तक और चरित्र-पंजी

(1) प्रत्येक कर्मचारी हेतु ट्रस्टी सेवा पुस्तक और चरित्र-पंजी रखेंगे, जो केंद्रीय सरकार के सम-कर्मचारियों हेतु समय-समय पर निर्धारित किये गये विवरणों को रखने तथा उसी रूप में होगा।

(2) कर्मचारी की सेवा पुस्तक में प्रविष्टियों ट्रस्ट द्वारा अथवा मेमोरियल के लेखा रखनेवाले ट्रस्टी के अधिकारी द्वारा की जायेंगी।

(3) कर्मचारी के चरित्र-पंजी में उसके ऊपर के अधिकारी द्वारा प्रविष्टि की जायेगी तथा उससे धरिष्ठ अधिकारी इसका अवलोकन व समीक्षा कर टिप्पणी करेंगे।

परन्तु जहां पर कर्मचारी के तत्काल पर के अधिकारी ट्रस्टी हों, वहां ट्रस्टी के अध्यक्ष चरित्र-पंजी में प्रविष्टि करेंगे तथा किसी प्रति हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

(ii) जहां पर अगले उक्त अधिकारी ट्रस्टी हैं, वहां चरित्र पंजी पर ट्रस्टी के चेयरमैन प्रतिहस्ताक्षर करेंगे।

### 16. शिथिलता का अधिकार

नियम में समाविष्ट बातों के बावजूद यदि ट्रस्टी संतुष्ट होते हैं कि ऐसे प्रावधानों के संचालन से वित्तीय हानि होती है अथवा मेमोरियल के किसी कर्मचारी को किसी परेशानी से छुटकारा मिलता है अथवा जनहित में अथवा मेमोरियल के हित में ऐसा करना जरूरी है, तो वे नियम के किसी भी प्रावधान को शिथिल कर सकते हैं।

### 17. अन्य शर्तें एवं सूक्तें

(1) कानून के तहत नियम के किसी अवका समस्त प्रावधानों को लागू करने अथवा व्याख्या करने के प्रसंग में जहां कहीं संदेह पैदा होगा, यहां केंद्रीय मन्त्रालय का निर्णय अन्तिम माना जायेगा।

(2) अधिकारियों की तथा ट्रस्टी बोर्ड के अन्य कर्मचारियों की सेवा से सम्बन्धित किसी भी मुद्दे पर यदि नियम में प्रावधान नहीं बनाये गये होंगे, तो उस मुद्दे पर केंद्रीय सरकार के अनुमोदन के पश्चात् साधारण या विशेष आदेशों के माध्यम से ट्रस्टी निर्धारित करेंगे।

सारणी

(नियम 7 से 2)

| पदनाम और/अथवा श्रेणी | नियुक्त अधिकारी        | अनुशासन अधिकारी        | अपील अधिकारी   |
|----------------------|------------------------|------------------------|----------------|
| श्रेणी-I             | ट्रस्टी                | ट्रस्टी                | केंद्रीय सरकार |
| श्रेणी-II            | सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष | सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष | ट्रस्टी        |
| श्रेणी-III           | सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष | सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष | ट्रस्टी        |
| श्रेणी-IV            | सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष | सचिव तथा संग्रहाध्यक्ष | ट्रस्टी        |

अनुबंध-I

### [नियम (5) का उप-नियम (4)]

“मैं एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि विक्टोरिया मेमोरियल हाल में रोजगार के लिए प्रार्थी ..... का परीक्षण किया है था मैंने ..... को छोड़कर कोई बिमारी (संक्रामक तथा अन्य), संरचना संबंधी कमजोरी अथवा शारीरिक कमजोरी नहीं पाया। मैं इसे विक्टोरिया मेमोरियल, कलकत्ता में रोजगार के लिए अयोग्यता नहीं मानता हूँ।”

हस्ताक्षर

नोट 1 : ऐसे प्रमाणपत्र को संग्रहालय के श्रेणी-I के अधिकारी के मामले में मेडिकल-बोर्ड द्वारा हस्ताक्षर कराया जाये तथा संग्रहालय के श्रेणी-IV के कर्मचारी को छोड़कर श्रेणी-II व श्रेणी-III के कर्मचारियों के मामले में नागरिक शल्य चिकित्सक अथवा समतुल्य स्तर के जिला चिकित्सक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर कराया जाये।

2. श्रेणी-IV के कर्मचारी के मामले में, भारतीय चिकित्सा परिषद् कानून, 1956 (1956 का 102) के तहत मान्यताप्राप्त चिकित्सा योग्यता रखनेवाले प्राधिकृत चिकित्सक ऐसे प्रमाणपत्र को हस्ताक्षर कराया जाये।

ह.०/- अपठनीय

सचिव एवं संग्रहाध्यक्ष  
विक्टोरिया मेमोरियल

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय : बम्बई  
बम्बई-400020, दिनांक 12 जून 1987  
आदेश

- प्राक्कथन : (1) इस आदेश की प्रति सहित उस आदेश के विरुद्ध अपील, उस तिथि से पैंतालीस दिन की अवधि के भीतर, अब अपीलार्थी को आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, की प्रति दी गई थी, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बई-1 को हो सकती है।
- (2) अपीलार्थी द्वारा अपील की एक प्रति उस प्राधिकारी को अप्रसारित की जानी चाहिये जिसने वह आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है किया था और ऐसा करने के तथ्य को स्पष्टतया अपील ही दर्शाया जाना चाहिये।
- अभिलेख : (i) दिनांक 15-5-86 को फा० सं० (8बी-43)85 के अन्तर्गत जारी सी०सी०एस० (सी०सी०ए०) नियम 1965 के नियम 14 के अधीन आरोपों का जापन।
- (ii) जांच अधिकारी की दिनांक 11-3-87 की रिपोर्ट—

मामले के संक्षिप्त तथ्य

सहायक समाहर्ता (शुल्क वापसी) के कार्यालय में कार्यरत श्रीमती एस० एस० गाड ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में अ०श्रे० लि० के रूप में दिनांक 23-6-77 को कार्यभार संभाला और उन्हें दिनांक 10-6-81 को प्र०श्रे० लि० के रूप में प्रोन्नत किया गया। श्रीमती एस० एस० गाड, प्र०श्रे० लि० ने, जब वह सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (शुल्क वापसी) बम्बई-1 के कार्यालय में कार्य कर रही थीं, दिनांक 13-4-83 से 24-6-83 तक के 73 दिनों के अर्जित अवकाश हेतु आवेदन किया क्योंकि वह जेनेवा जाना चाहती थी, जहां उनके प्रति कार्य कर रहे थे। तथापि, अवकाश की अवधि की समाप्ति के पश्चात् अपना कार्यभार ग्रहण करने के बजाय उन्होंने उस आधार पर दिनांक 1-6-84 तक छुट्टी बढ़ाने का आवेदन किया कि उनका इरादा अपने पति के साथ जेनेवा में ठहरने का था, और सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनकी दिनांक 26-9-83 की छुट्टियों को इ०एल०ए० पी० तथा दिनांक 27-9-83 से बाव की छुट्टियों को ई०ओ० एल० समझते हुए बढ़ोतरीकी मंजूर कर दी गई। तथापि, वह उस समय के बाद भी छुट्टी हेतु आवेदन दिये बिना अथवा कोई सूचना दिये बिना, अनुपस्थित होती रहीं।

अतः सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (शुल्क वापसी) बम्बई-1 ने दिनांक 19-12-85 को फा० सं० 11/20-यू० डी० सी०/78/6279 के अन्तर्गत उनको यह आदेश देते हुए जापन जारी किया कि वह तुरन्त अपना कार्यभार ग्रहण कर लें और यह बताएं कि उनके विरुद्ध अप्राधिकृत एवं जान बूझकर अनुपस्थिति के कारण अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों

न की जाए। चूंकि उनकी तरफ से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई, इसलिए सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (शुल्क वापसी), बम्बई-1 द्वारा दिनांक 22-1-86 को फा० सं० 11/20-यू० डी० सी०/78 के अन्तर्गत पंजीकृत रसीदी डाक से एक और जापन जारी किया गया। श्रीमती एस० एस० गाड, प्र०श्रे० लि० ने इस जापन के उत्तर में अपने दिनांक 6-2-86 के पत्र द्वारा सूचित किया कि उनके पति लीबिया सरकार के साथ जुलाई, 1986 तक सविवाह हैं और चूंकि उनके पास उनके पति के साथ आश्रित बीजा है, इसलिए उनके लिए अकेले लीबिया छोड़ना संभव नहीं है। उन्होंने आगे सूचित किया कि वह अपना वायभार अगस्त, 1986 से संभाल सकेंगी तथा उन्होंने अगस्त, 1986 तक छुट्टी मंजूर करने का अनुरोध किया।

श्रीमती एस० एस० गाड, प्र०श्रे० लि० ने अपने उपरोक्त कार्यों द्वारा सरकारी कर्मचारी की दृष्टि से असोभनीय कार्य किया तथा उसके द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (आचार) नियम, 1965 के नियम 3(1) (2) तथा (3) के उपबंधों का उल्लंघन किया।

श्रीमती एस० एस० गाड पर सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (शुल्क वापसी), बम्बई-1 के कार्यालय में प्र०श्रे० लि० के रूप में कार्य करते हुए यथाशक्य रूप में घोर अवचार, अनुशासनहीनता तथा कर्तव्य की अवहेलना करने का अभिकथन किया जाता है।

उन्होंने न तो कार्यभार का पुनर्ग्रहण किया और न ही छुट्टी पर रहने के लिए कोई सूचना अथवा आवेदन भेजा और वह अप्राधिकृत रूप से ड्यूटी से अनुपस्थित रहीं। यद्यपि उनसे जापन को प्राप्त करने के बाद 10 दिनों के भीतर उक्त पत्र व्यवहार का उत्तर देने को कहा गया था, उन्होंने उसकी परवाह नहीं की।

श्रीमती एस० एस० गाड, प्र०श्रे० लि० ने आरोप-पत्र का उत्तर प्रस्तुत करने की बजाय, दिनांक 15-6-86 के अपने पत्र के अन्तर्गत पुनः 6 महीनों के अवैतनिक अवकाश को मंजूर करने का अनुरोध किया।

अतः उप समाहर्ता (का० व० स्था०), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1 ने अपने दिनांक 15-6-86 के पत्र द्वारा श्रीमती एस० एस० गाड, प्र०श्रे० लि० को उनको जारी किए गए आरोप-पत्र का उत्तर प्रस्तुत करने का आदेश दिया। परन्तु उन्होंने इसको प्रस्तुत करने की परवाह नहीं की।

चूंकि श्रीमती गाड, प्र०श्रे० लि० को पर्याप्त समय दिया गया था और उनकी तरफ से कोई उत्तर नहीं था, इसलिए मामले का एक पक्षीय निर्णय करने का निर्णय लिया गया।

केन्द्रीय सिविल सेवा (सी० सी० ए०) नियम, 1965 के नियम 19 के उप नियम (2) के उपबंध के अनुसार श्रीमती एस० एस० गाड, प्र०श्रे० लि०, के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए श्री जे० टी० केसवानी, सहायक समाहर्ता (कानूनी) बम्बई-1 (मुख्या०) को जांच अधिकारी के रूप में तथा श्री ई० पी० वेणुगोपालन, अधीक्षक (कानूनी), बम्बई-1

(मुख्यां) को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री जे० टी० केसवानी, सहायक समाहर्ता (कानूनी) ने दिनांक 17-12-86 के अपने पत्र फा० सं० 1/विविध (स्था०)/47 एच० एल० सी०/86 के अंतर्गत श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० को दिनांक 19-1-87 को 11.00 बजे प्रारम्भिक सुनवाई के लिए अपने कार्यालय में उपस्थित होने का आदेश दिया। यह पत्र श्रीमती गाड, प्र० श्रे० लि० को पंजीकृत रसीदी डाक के अन्तर्गत अग्रसारित किया गया परन्तु श्रीमती एस० एस० गाड की तरफ से न तो डाक की पावती और न ही कोई संसूचना प्राप्त हुई। अतः उनको निष्पक्ष अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मौखिक जांच 19-2-87 के लिए स्थगित कर दी गई और पुनः उसकी सूचना दिनांक 19-1-87 श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० को पंजीकृत रसीदी डाक से दी गई। जांच-पड़ताल की तिथि की सूचना भी श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० के अन्य ज्ञात पते पर भेजी गई। तथापि श्रीमती गाड, प्र० श्रे० लि० की तरफ से न ही कोई डाक की पावती और न ही कोई संसूचना प्राप्त हुई और न ही वह जांच के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुई। इसी बीच श्री ई० पी० वेणुगोपालन, अधीक्षक (कानूनी), बम्बई-1, (मुख्यां) दिनांक 1-2-87 को रेफर किया सेवानिवृत्त हो गए और उसके परिणामस्वरूप दिनांक 13-2-87 को श्री बी० जी० जोशी, अधीक्षक (कानूनी), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1 (मुख्यां) को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

चूँकि पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद भी श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने अथवा जांच अधिकारी को कोई लिखित अभ्यावेदन प्रस्तुत करने में असफल रही, इसलिए जांच अधिकारी ने एकपक्षीय रूप से जांच पूरी की और दिनांक 11-3-87 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

निष्कर्ष:

मैंने जांच अधिकारी की दिनांक 13-3-87 की रिपोर्ट फा० सं० 11 (विविध) (स्था०)/(47) एच० एल० सी०/86/76 पढ़ ली है और मैं इससे पूर्णतया सहमत हूँ। श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० दिनांक 2-6-84 से आज तक अनुमति अथवा मंजूरी अथवा सूचना के बिना, इस आधार पर ड्यूटी से अनुपस्थित रही कि वह अपने पति के साथ विदेश में ठहरना चाहती थीं। श्रीमती एस० एस० गाड को जांच अधिकारी द्वारा उनको पंजीकृत रसीदी डाक से भेजे गए उनके दिनांक 17-12-86 के पत्र द्वारा दिनांक 19-1-87 को जांच हेतु उपस्थित होने के लिए सूचित किया गया। पुनः जांच अधिकारी द्वारा उनके दिनांक 19-1-87 के पत्र के अन्तर्गत उन्हें जांच हेतु उपस्थित होने के लिए सूचित किया गया। श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० को उक्त 19-1-87 दिनांकित पत्र उनके एक अन्य ज्ञात पते पर दिनांक 29-1-87 को भेजा गया। इनके बावजूद भी श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० की

तरफ से कोई पावती प्राप्त नहीं हुई। श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० की तरफ से न तो कोई संसूचना प्राप्त हुई और न ही वह जांच अधिकारी के समक्ष जांच के लिए उपस्थित हुई। श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० ने अनुशासन के प्रति अपनी चरम उपेक्षा तथा उचित मंजूरी के बिना निरन्तर अनुपस्थिति के द्वारा यह दर्शाया है कि उनकी सरकारी सेवा में रुचि नहीं है और उन्होंने स्वयं को इसके लिए अनुपयुक्त बना लिया है।

आवेदन

यतः, श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि०, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1 के विरुद्ध संस्थित अनुशासनात्मक कार्यवाहियों के अभिलेखों को ध्यान में रखते हुए, मैं संतुष्ट हूँ कि कथित श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० पर इसमें इसके पश्चात विनिर्दिष्ट दण्ड आरोपित करने के लिए उचित और पर्याप्त कारण मौजूद हैं।

अतः अब सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, मैं यह पाता हूँ कि इस मामले में बर्खास्तगी का दण्ड सर्वाधिक उपयुक्त दण्ड होगा, तदनुसार, मैं आदेश देता हूँ कि श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० को तत्काल से सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया जाए।

इसके साथ जांच अधिकारी की रिपोर्ट संलग्न है।

बि० बि० प्रसाद,  
उप-समाहर्ता (का० व स्था०)  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क : बम्बई-1

फा० सं० 11, 8वीं-43/85/678 से 685  
बम्बई, 12 जून, 1987

पंजीकृत रसीदी डाक से

संवा में

- (1) श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि०  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1

द्वारा श्री श्रीपाद एन. गाड, पी एण्ड एस इंजीनियर मंडिकल इक्विपमेंट कम्पनी, पोस्ट बाक्स 12419, त्रिपोली, स्लाज।

- (2) श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1

(सहायक समाहर्ता, के. उ. शु. (शुल्क वापसी)  
बम्बई-1 के माध्यम से)

प्रति प्रेषित :—सहा. समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बई-1/  
उनसे अनुरोध किया जाता है कि वह श्रीमती एस० एस० गाड, प्र० श्रे० लि० को उक्त आदेश बम्बई स्थित उनके स्थायी पते पर प्रेषित कर दें तथा उनकी दिनांकित पावती इस कार्यालय को भेज दें।

स्था./गोप./मु. ले. अ./वे. व ले. अ.  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1  
जानकारी के लिए।

**VJAY BANK**  
**PERSONNEL DEPARTMENT (PA&IR)**

**HEAD OFFICE**

Bangalore-560 001, the 6th October 1988

No. 2720.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of VJAY BANK in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations further to amend the VJAY BANK OFFICER EMPLOYEES' (DISCIPLINE & APPEAL) REGULATIONS, 1981 :

2. Short title and Commencement—(i) These Regulations may be called the Vijay Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) First Amendment Regulations, 1988.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

(iii) In the Vijay Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) Regulations, 1981, in Regulation 11, the following proviso be inserted :

'Provided that the officer employee may be given an opportunity of making representation on the penalty proposed to be imposed before any order is made.'

C. H. SREEDHARAN  
General Manager (Admn.)

**THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS  
OF INDIA**

**MADRAS OFFICE**

Madras-600 034, the 19th October 1988

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3SCA(5)/13/88-89.—With reference to this Institute's Notification Nos. 3NCA(4)/9/83-84 dated 31st March 1984, 4 SCA(1)/4/82-83 dated 31st March 1983, 3SCA(4)/10/86-87 dated 27th February 1987, 3ECA(4)/8/87-88 dated 30th December 1987, 3SCA(4)/8/87-88 dated 30th December 1987, 3SCA(4)/10/87-88 dated 29th January 1988, 3SCA(4)/13/85-86 dated 31st March and 3NCA(4)/3/87-88 dated 30th December 1987, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :

| S. No. | M. No | Name & Address  | Date of Restoration |
|--------|-------|---|---------------------|
| 1      | 2     | 3   | 4                   |
| 1.     | 17579 | Shri Nainan Thomas, ACA<br>Flat No. 101-B, Kalai Niketan<br>Apartments<br>Manikeswari Road,<br>Kilpauk<br>Madras : 600 010. | 19-8-1988           |
| 2.     | 19097 | Shri K. Koteswara Rao, ACA<br>P.O. Box 688<br>DOHA-QATAR  | 02-09-1988          |
| 3.     | 19527 | Shri K.C. Shekar, FCA<br>Chartered Accountant<br>P. O. Box 485<br>Safat-13005<br>SAFAT-KUWAIT                               | 08-09-1988          |

| 1  | 2     | 3  | 4          |
|----|-------|--|------------|
| 4. | 19693 | Shri Kolluru Krishnamurthy,<br>ACA<br>24-32/4, Vishnupuri, Safilguda<br>Hyderabad-500 047                                    | 30-09-1988 |
| 5. | 23812 | Shri J. Kothandaraman, ACA<br>Chartered Accountant<br>2, Rajaji II Street<br>Nunga mbakkam<br>MADRAS-600 034                 | 16-09-1988 |
| 6. | 24368 | Shri S. Subramanian, ACA<br>Accountant<br>The Indian Express<br>Queens Road<br>Bangalore: 560 001                            | 19-09-1988 |
| 7. | 50796 | Shri P.S. Viswanathan, ACA<br>C/o Arab Commercial Enterprises<br>Limited<br>P.O. Box 358<br>AL KHOBAR-31952<br>SAUDI ARABIA  | 19-09-1988 |
| 8. | 85597 | Shri Praveen Gupta, ACA<br>Chartered Accountant<br>A-19/1, Vijaykiran Apartments<br>32, Victoria Road<br>BANGALORE : 560 047 | 12-09-1988 |

M. C. NARASIMHAN  
Secy.

Calcutta-700 071, the 28th October 1988

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3ECA/8/5/88-89.—In pursuance of Regulation 10 (i) (ii) of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled as they do not desire to hold the same.

| Sl. No. | M. No. | Name & Address  | Date of Cancellation |
|---------|--------|---|----------------------|
| 1       | 1128   | Shri Arun Kumar Mitra, ACA<br>B13/4, Kalyanai,<br>P.O.: Kalyani,<br>Dt: Nadia.                          | 1-4-88               |
| 2       | 50585  | Shri Harish K. Burman, ACA<br>76/A, N.S. Road,<br>Calcutta- 700 007.                                    | 1-4-88               |
| 3.      | 53779  | Shri Pravin Kumar Drolia, ACA<br>C/o. P. K. Drolia, & Co.,<br>85, Metcalfe Street,<br>Calcutta-700 013. | 1-8-88               |
| 4.      | 53973  | Shri Sudhir Maheshwari, ACA<br>19, Hindusthan Road,<br>Block-'B', Flat-7,<br>Calcutta-700 029.          | 1-6-88               |
| 5.      | 54223  | Shri Tapas Pal, ACA<br>1/2A, College Square,<br>Calcutta-700 073.                                       | 1-9-88               |

M. C. NARASIMHAN  
Secy.

Madras-600 034, the 2nd November 1988

## (CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3SCA(4)/6/88-89.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

| S. No. | M. No. | Name & Address  | Date of Removal |
|--------|--------|---|-----------------|
| 1.     | 1949   | Shri B.S.N. Bhusran,<br>II Floor, Kalyana Mantapa,<br>Attiguppa II, Main Road,<br>Vijayanagar, East<br>Bangalore-560 040              | 06-09-1988      |
| 2.     | 2018   | Shri V.K. Krishnan,<br>38, II Main Road,<br>Raja Annamalaiapuram,<br>Madras-600 028   | 20-10-1988      |
| 3.     | 6041   | Shri J.R. Krishnaswami,<br>AB-88, Annanagar,<br>Madras-600 040  | 05-04-1988      |
| 4.     | 7119   | Shri R.R. Vaidya,<br>3-5-997, Narayanguda,<br>Hyderabad-500 029   | 09-08-1988      |
| 5.     | 12415  | Shri K. Vijaya Kumar,<br>M/s. Lakshmi Finance &<br>Industrial Corpn. Ltd.,<br>Suryodaya,<br>1-10-60/3, Begumpet,<br>Hyderabad-500 016 | 20-08-1988      |
| 6.     | 81249  | Shri C. Ananthaiah,<br>No. 21, Sidhasharma Road,<br>Malleswara,<br>Bangalore-560 003  | 14-07-1988      |

M.C. NARASIMHAN, Secy.

## EMPLOYEES STATE INSURANCE CORPORATION

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE (GENERAL)

## (AMENDMENT) REGULATIONS, 1988

## NO. 2 OF 1988

New Delhi, the 26th October 1988

No. N.12/13/1/86-P&D.—In exercise of the powers conferred the Section 97 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Employees' State Insurance Corporation hereby makes the following Regulations further to amend the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the same having been previously published in the Gazette of India (Part III Section 4) dated 25-10-86 inviting suggestions/objections, if any, as required by sub-Section (1) of the said Section namely :—

1. (i) These regulations may be called the Employees' State Insurance (General) (Amendment) Regulations, 1988.
- (ii) These will come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2.I. In Sub-Regulation (1) of Regulation 26 the existing clause (a) shall be substituted by the following :—  
“(a) within 42 days of the termination of contribution period to which it relates.”
- II. In sub-Regulation (1) of Regulation 26, the existing clause (b) shall be substituted by the following :—

“(b) within 21 days of the date of permanent closure of the factory or establishment, as the case may be.”

- III. In Regulation 31, the following proviso shall be inserted :—

“Provided that where a factory/establishment is permanently closed, the employer shall pay contribution on the last day of its closure.”

HARBHAJAN SINGH  
Director (P&D)

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

## DEPARTMENT OF POST

New Delhi-110 001, the 13th September 1988

## NOTICE

No. 25-3/88-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issued duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

| S. No. | Policy No. & Date          | Name of Insurant     | Amount (Rs.) |
|--------|----------------------------|----------------------|--------------|
| (1)    | 197442-P, 10-5-72<br>EA/50 | Shri Tarlochan Singh | 8,000/-      |

JYOTSNA DIESH  
Director (PLI)

## NATIONAL COOPERATIVE DEVELOPMENT CORPORATION

New Delhi, the 3rd November 1988

No. NCDC : 1-3/82-Admn.—In exercise of the powers conferred by Regulation 67 of the National Cooperative Development Service Regulations, 1967, the Board of Management of the Corporation with the approval of the Central Government has amended the NCDC Travelling and Daily Allowance Regulations as under :—

- (i) For Regulation 1.2, substitute the following :—  
Pay means Basic Pay as defined in F.R. 9(21) (a)(i)
- (ii) Regulation 2 be deleted. Regulation 1.3 be re-numbered as 2.
- (iii) In Regulation 3.1, wherever the words and figures “Rs. 1800/- p.m.” occurs, the same may be substituted by the words and figures “Rs. 4100/- p.m.”.
- (iv) In Regulation 3.2, wherever the words and figures “Rs. 2000/- p.m.” occurs, the same may be substituted by the words and figures “Rs. 5100/- p.m.”.
- (v) For Regulation 3.3, substituted the following :—  
Other employees of the Corporation shall be entitled to travel by classes as follows :—

| Basic Pay (Rs.)<br>Range | Entitlement                     |
|--------------------------|---------------------------------|
| 2800—5099                | A.C. 2-Tire Sleeper/First Class |
| 1400—2799                | First Class/AC Chair Car        |
| Below 1400               | Second Class (Sleeper)          |

- (vi) In Regulation 4, the Words “Employees of A&B Grades” and “Employees of C&D Grades” be substituted by “Employees drawing basic Rs. 1900 and above” and “Employees drawing basic below Rs. 1900” respectively.

(vii) For Regulation 5 and 5.1, substituted the following :—

5. The rates of Daily Allowance admissible to the employees will be as under :—

| (In Rs.)     |            |              |              |
|--------------|------------|--------------|--------------|
| Pay Range    | "A" Cities | "B-1" Cities | Other Places |
| M.D.         | 100        | 85           | 80           |
| 4100/- above | 90         | 75           | 70           |
| 3000-4099    | 75         | 60           | 50           |
| 1640-2999    | 65         | 55           | 45           |
| Below 1640   | 55         | 45           | 35           |

Note : Daily Allowance rate will be increased by the same percentage as the percentage increase in Dearness allowance effected on the basis of the increase in Dearness allowance by the Government of India, from time to time.

5.1 Lodging charges (including service charges) admissible to the employees on production of supporting vouchers will be as under :—

#### Lodging Charges

| Pay Range<br>(in Rs.)  | "A" Cities<br>**   | "B-1" Cities  | Other<br>Places |
|--|--|---------------|-----------------|
| 1. Managing Director   | Limited to rent of a single room in Hotel Ashok, New Delhi     | 75% of Col.** | 50% of Col.**   |
| 2. 5301 and above (For officers above the rank of C.D. & equivalent) | Limited to rent of a single room in Hotel Kanishka, New Delhi. | Do.           | Do.             |
| 3. 3500 5300   | Limited to rent of a single room in Lodi Hotel, New Delhi      | Do.           | Do.             |
| 4. 2200-3499   | 75% of Do.   | Do.           | Do.             |
| 5. 1400-2199   | 40% of Do.   | Do.           | Do.             |
| 6. 950-1399  | 30% of Do.   | Do.           | Do.             |
| 7. Below Rs. 950/-   | 15% of Do.   | Do.           | Do.             |

Note : (i) The admissibility of lodging charges at the above rates will be in addition to the Daily Allowance payable as per Regulation 5.

(ii) The room tariffs of Hotel Ashoka, Hotel Kanishka & Lodi Hotel will be circulated to employees from time to time.

(viii) In Regulation 5.4, wherever the words "Employees in Grade A" occurs, the same may be substituted by the words "Employees drawing pay Rs. 3000/- and above".

2. Those amendments will come into effect from the date of their publication in the Gazette of India.

K. D. ROY  
Financial Adviser

#### MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT DEPARTMENT OF CULTURE New Delhi,

No. F. 13-8/81-CH.5 G.S.R.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Victoria Memorial Act, 1903 (10 of 1903), the Trustees with the previous approval of the Central Government hereby make the following regulations, namely :—

#### 1. Short Title and Commencement :—

(1) These regulations may be called the Victoria Memorial Service Regulations, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (1) "Act" means the Victoria Memorial Act, 1903 (10 of 1903);
- (2) "Government" means the Central Government;
- (3) "Memorial" means the Victoria Memorial, Calcutta;
- (4) "Trustees" means the Board of Trustees of the Victoria Memorial, Calcutta, constituted under Section 2 of the Act.

3. Classification of Posts and Scales of Pay :—The classification of posts under the Memorial and the scales of pay attached thereto shall be as specified below :—

- (i) Class I : Posts carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 1300/- (pre-revised).
- (ii) Class II : Posts carrying a pay or a scale of pay with a maximum of less than Rs. 1300/- but not less than Rs. 900/- (pre-revised).
- (iii) Class III : Posts carrying a pay or a scale of pay with a maximum of less than Rs. 900/- but not less than Rs. 260/- (pre-revised).
- (iv) Class IV : Posts carrying a pay or a scale of pay with a maximum of less than Rs. 260/- (pre-revised).

#### 4. CREATION OF POSTS :—

The Trustees may, with the previous sanction of the Government, and subject to such conditions as it may impose, create such posts as may be necessary for the care or maintenance of the Memorial, fix or alter the scales of pay attached to such posts and re-classify such posts.

#### 5. APPOINTMENT :—

(1) Subject to such qualifications and other requirements as may be prescribed by the Trustees of the Memorial, with the approval of the Central Government, recruitment to all posts in the Memorial shall be made by :—

- (a) direct recruitment by advertisement or through the Employment Exchange, or both, or;
- (b) promotion; or
- (c) transfer, on loan or otherwise, from museums under the Central Government or museums aided by the Central Government or statutory bodies carrying out such activities as carried out by the memorials/museums.

Provided that nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of the persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

(2) Appointments to all posts shall be made on the recommendation of a Selection Committee consisting of :—

- (a) (In the case of Class I posts) :—
  - (i) Chairman Executive Committee of the Trustees;
  - (ii) two members nominated by the Trustees from among themselves;
  - (iii) Secretary and Curator, Victoria Memorial;
  - (iv) one expert in the branch of knowledge to which the post pertains to be nominated by the Trustees;
  - (v) a representative or nominee of the Government of India from Ministry/Department dealing with the matters relating to the Victoria Memorial.
- (b) (In the case of Class II and Class III posts) :—
  - (i) a member nominated by the Trustees from among themselves;
  - (ii) an expert in the branch of knowledge to which the post pertains to be nominated by the Trustees;

(iii) Secretary and Curator, Victoria Memorial; and

(vi) a representative/nominee of the Government of India in the Department/Ministry dealing with the matters relating to Memorial.

(c) (In the case of Class IV posts) :—

(i) Secretary and Curator of the Memorial; and

(ii) a senior Class I officer of the Memorial.

(3) The Trustees shall be the appointing authority for all Class I posts and the Secretary and Curator of the Memorial shall be the appointing authority for other lower classes of posts.

(4) Recruitment to all posts in the Memorial shall be made subject to the production of a medical certificate of physical fitness as laid down in Appendix I to these regulations and subject to verification of character and antecedents of the persons concerned, except in such cases where the Trustees consider for reasons to be recorded in writing if any relaxation in physical standards of fitness is necessary.

#### 6. PROBATION :—

(1) Every person appointed to a post in the Memorial after the commencement of these regulations, whether by promotion or by direct recruitment, shall be on probation for a period of one year.

Provided that the appointing authority may, for reasons to be recorded in writing, extend the period of probation of an employee upto a period not exceeding two years.

(2) A probationer who in the opinion of the appointing authority is found fit for holding the post to which he/she is appointed shall be confirmed on completion of the period of probation.

(3) A probationer who in the opinion of the appointing authority is found unfit for holding the post to which he/she was appointed shall be discharged if he/she is a direct recruit or be reverted to his/her substantive post if he/she is a promotee.

#### 7. TERMINATION OF SERVICE :—

(1) The services of a temporary employee may, at any time, be terminated by the appointing authority, without assigning any reason, after giving a notice of not less than one month in writing or one month's pay and allowances in lieu of such notice and where such notice falls short of one month, by giving pay and allowances for the period by which it falls short of one month.

(2) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (1), the services of a temporary employee may be terminated without notice,—

(i) if his/her appointment is made against a temporary post, on the abolition of the post or on the expiry of the period for which the post is created; or

(ii) if his/her appointment is made for a specified period, on the expiry of such period.

(3) The services of a probationer may be terminated or he/she may be reverted to a lower post by an order as the case may be and no formal proceedings under sub-regulation (5) of regulation 12 shall be necessary.

(4) The services of a permanent employee may, if the post to which he/she is substantively appointed is abolished, be terminated by the Trustees by giving him or her notice of not less than three months in writing, or three months' pay and allowances in lieu of such notice, and pay and allowances for such period by which the notice falls short of three months.

(5) An employee who is given notice of termination of service under sub-regulation (1) or sub-regulation (3), may be granted during the period of notice such earned leave exceeding the period of notice as may be admissible to him/her and where leave is so granted his/her services shall stand terminated

on the expiry of the period of notice or of leave, whichever is later.

(6) An employee may offer to resign from the service of the Memorial by giving at least three months' notice where he or she is a permanent employee and one month's notice where he or she is a probationer or a temporary employee.

#### 8. RETIREMENT :—

(1) (a) Except as otherwise provided in this regulation, every employee of the Memorial other than a Class IV employee shall retire on the last day of the month he/she attains the age of 58 years.

(b) With the sanction of the Trustees an employee to whom clause (a) applies may, on grounds of public interest to be recorded in writing, be granted extension of service beyond the last day of the month he/she attains the age of 58 years.

Provided that no extension under this clause shall be granted beyond 60 years of age and such an extension shall not be granted for any period exceeding one year at a time.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), the Trustees may, if they are of opinion that it is in the public interest so to do, retire an employee to whom clause (a) of sub-regulation (1) applies after he/she has attained the age of 55 years by giving him/her notice of not less than 3 months in writing or three months' pay and allowances in lieu of such notice.

(3) Any employee to whom clause (a) of sub-regulation (1) applies may, by giving notice of not less than three months in writing to the Trustees, retire from service after he/she has attained the age of 55 years.

Provided that it shall be open to the Trustees to withhold such permission to an employee under suspension who seeks to retire under this sub-regulation.

(4) Every Class IV employee shall retire on the last day of the month he/she attains the age of 60 years.

#### 9. RE-EMPLOYMENT :—

Where the Trustees are of the opinion that it is necessary so to do in the public interest, or in the interest of the Memorial, they may, subject to such terms and conditions as they may determine, re-employ a person who has retired under regulation 8.

Provided that no re-employment under this regulation shall be made after a person belonging to Class I, II and III post has attained the age of sixty years and sixty-two years to a person belonging to Class IV post.

#### 10. PROVIDENT FUND :—

For the benefit of the employees there shall be a General Provident Fund to be governed by the Victoria Memorial Hall such as General Provident Fund Regulations, 1972 as amended from time to time.

#### 11. RETIRING AND OTHER BENEFITS :—

(1) The regulations for the time being in force for regulating the conditions on which Pension including Family Pension, Gratuity, Children's Educational Allowance, Leave, Travelling Allowance, Leave Travel Concession and Medical benefits, as admissible to the employees of the Central Government, shall apply to the employees of the Memorial from time to time.

Provided that the Medical benefits shall be admissible subject to such conditions and restrictions as may be imposed by the Trustees from time to time.

(2) The following categories of employees shall be provided with such uniform as the Trustees may prescribe from

time to time, for use by the employees while they are on duty :—

- (a) All Class IV staff.
- (b) Driver and Carpenter.

## 12. SUSPENSION AND PENALTIES :—

- (1) An employee may be dismissed or removed from service or reduced in rank on the ground of conduct which has led to his/her conviction on a criminal charge.
- (2) (a) The appointing authority or any authority to which it is subordinate or disciplinary authority empowered in that behalf by the Board of Trustees may place an employee under suspension :—
  - (i) Where a disciplinary proceeding against him/her is contemplated or is pending; or
  - (ii) Where a case against him/her in respect of any criminal offence is under investigation, inquiry or trial.
- (b) An employee shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority or any authority to which it is subordinate or disciplinary authority empowered in that behalf by the Board of Trustees :—
  - (i) With effect from the date of detention if he/she is detained in custody whether on a criminal charge or otherwise for a period exceeding 48 hours;
  - (ii) With effect from the date of conviction for an offence if he/she is sentenced to a term of imprisonment exceeding 48 hours and is not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired consequent on such conviction.
- (c) An order of suspension made or deemed to have been made under this regulation may at any time be modified or revoked by the appointing authority or any other authority to which appointing authority is subordinate.
- (3) An employee placed under suspension shall be entitled to a payment of subsistence allowance at such rate not exceeding one-half of his/her pay on the date of suspension plus usual allowances admissible on the date of suspension.

Provided that such payment shall be subject to deductions subject to a maximum of one half of the total amount of subsistence allowance every month on account of Income-Tax, house rent, charges for electricity etc., recovery of loans and advances, overpayment made to him/her by the Memorial and loss caused to the Memorial for which he/she has been held responsible.

- (4) The following penalties may, for good and sufficient reasons and as hereunder provided, be imposed on an employee :—
  - (i) Censure;
  - (ii) Withholding of increments or promotion;
  - (iii) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Memorial by negligence or breach of orders or directions of superior authorities;
  - (iv) reduction to a lower post or a lower time-scale or to a lower stage in the time-scale;
  - (v) compulsory retirement; and
  - (vi) dismissal or removal from service.
- (5) No order imposing any penalty on any employee shall be passed, except after—
  - (a) the employee is informed in writing of the proposal to take action against him/her and the allegations on which such action is proposed to be taken and is given an opportunity to make

any representation in writing or in person he/she may wish to make;

- (b) such representation, if any, is taken into consideration by an Enquiring Officer; and
- (c) the report of the Enquiring Officer is taken into consideration by the disciplinary authority.
- (6) (a) Where an order of suspension is made or a disciplinary proceeding is commenced against a borrowed employee the lending authority shall forthwith be informed of the circumstances leading to the order of suspension or, as the case may be, the commencement of the disciplinary proceeding;
- (b) In the light of the findings in the disciplinary proceedings taken against such an employee—
  - (i) If the Trustees are of the opinion that any of the penalties specified in clauses (iv) to (vi) of sub-regulation (4) should be imposed on him/her, they shall replace his/her services at the disposal of the lending authority and transmit the proceedings of enquiry for such action as it may deem necessary;
  - (ii) If the Trustees are of the opinion that any other penalty should be imposed on him/her, they may, after consultation with the lending authority, pass such orders on the case as they may deem necessary.

Provided that, in the event of a difference of opinion between the lending authority and the Trustees, the services of the employee shall be replaced at the disposal of the lending authority.

- (7) An employee may appeal against an order of suspension or an order imposing upon him/her any of the penalties specified in sub-regulation (4) to the authority specified in this behalf in the Schedule annexed to these regulations.
- (8) No appeal preferred under these regulations shall be entertained unless such appeal is preferred within a period of 45 days from the date on which a copy of the order appealed against is delivered to the appellant.

Provided that the appellate authority may entertain the appeal after the expiry of the said period, if it is satisfied that the appellant had sufficient cause for not preferring the appeal in time.

## 13. WHOLE TIME EMPLOYMENT :—

Unless in any case it be otherwise distinctly provided, the whole time of an employee of the Memorial shall be at the disposal of the Trustees. An employee may, however, be entitled to overtime allowance for extra work in accordance with the instructions issued by the Government of India from time to time.

## 14. EXISTING EMPLOYEES DEEMED TO HAVE BEEN APPOINTED UNDER THESE REGULATIONS :—

Every person holding a post in the Memorial immediately before the commencement of these regulations shall on such commencement, be deemed to have been appointed under the provisions of these regulations to the corresponding post and shall continue to draw the pay drawn by him/her immediately before such commencement.

## 15. SERVICE BOOKS AND CHARACTER ROLLS :—

(1) The Trustees shall maintain a Service Book and a Character Roll in respect of each employee, adopted in such form and setting out such particulars as may be prescribed for corresponding employees of Central Government from time to time.

(2) The entries in the Service Book of an employee shall be made by the Trustees or caused to be made by the Trustees' officer maintaining accounts of the Memorial.



(3) The entries in the Character Roll of an employee shall be made by the authority to whom such employee is immediately subordinate and shall be reviewed by the next higher authority with its remarks :—

Provided that,—

- (i) where the authority to which an employee is immediately subordinate is the Trustees, the entries in the Character Roll shall be made by the Chairman of the Trustees and no counter-signature shall be necessary; and
- (ii) where such next higher authority is the Trustees, the Character Roll shall be countersigned by the Chairman of the Trustees.

#### 16. POWER TO RELAX :—

Notwithstanding anything contained in these regulations, the Trustees may relax any of the provisions of these regulations if it is satisfied that it is necessary so to do in the interest of the Memorial or in the public interest or in order to relieve any employee of the Memorial from any hardship or financial loss arising from the operation of such provision.

#### 17. OTHER TERMS AND CONDITIONS :—

(1) Where a doubt arises as to the interpretation or application of all or any of the provisions of the Rules or regulations made under the Act, the decision of the Central Government thereon shall be final.

(2) Any matter relating to the conditions of service of officers and other employees of the Trustees for which no provision is made in these regulations, shall be determined by the Trustees, by general or special orders, with the approval of the Central Government.

#### THE SCHEDULE (Regulations 7 and 12)

| Designation of post and/or Class. | Appointing authority  | Disciplinary authority | Appellate authority |
|-----------------------------------|-----------------------|------------------------|---------------------|
| Class I.                          | Trustees.             | Trustees               | Central Government  |
| Class II.                         | Secretary and Curator | Secretary and Curator  | Trustees            |
| Class III.                        | Secretary and Curator | Secretary and Curator  | Trustees            |
| Class IV                          | Secretary and Curator | Secretary and Curator  | Trustees            |

#### APPENDIX I

##### (SUB-REGULATION (4) OF REGULATION 5)

"I hereby certify that I have examined \_\_\_\_\_ a candidate for employment in the Victoria Memorial Hall, and cannot discover that \_\_\_\_\_ has any disease (communicable or otherwise), constitutional weakness or bodily infirmity except \_\_\_\_\_. I do not consider this a disqualification for employment, in the Victoria Memorial Hall, Calcutta."

Note : 1. Such a certificate shall be signed by a Medical Board in the case of a Class I Officer of the Museum and by a Civil Surgeon or a District Medical Officer of equivalent status in the case of Class II and Class III employees other than Class IV employees of the Museum.

2. In the case of Class IV employees, Medical certificate shall be signed by the Authorised Medical Attendant possessing a medical qualification recognised under the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956).

Sd./- ILLEGIBLE  
Secretary & Curator  
VICTORIA MEMORIAL

#### OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE Bombay, the 12th June 1987

##### ORDER

F. No. II/88-43/85/678-685—PREAMBLE.—(1) An appeal against this order alongwith a copy of this order lies to the Collector of Central Excise, Bombay-I, within a period of forty-five days from the date on which a copy of the order appealed against was delivered to the Appellant.

(2) A copy of the appeal should be forwarded by the Appellant to the authority which made the order appealed against and the fact of having done so should be clearly indicated in the appeal itself.

Record : (i) Memo of charge under Rule 16 of the CCS (CCA) Rules, 1965 issued vide F. No. II/82-43/85 dated 15-5-86.

(ii) Inquiry Officer's report dated 11-3-87 .....

#### BRIEF FACTS OF THE CASE

Smt. S. S. Gad, working in the Office of Assistant Collector (Refunds) joined the Central Excise Department as L.D.C. on 23-6-77 and was promoted as U.D.C. on 10-6-81. Smt. S. S. Gad, U.D.C. while working in the Office of Assistant Collector, Central Excise (Refunds) Bombay-I, applied for earned leave for 73 days from 13-4-83 to 24-6-83 as she wanted to go to Geneva, to see her husband where he was working. However, instead of joining her duties after expiry of the leave period, she applied for extension of leave upto 1-6-84 on the ground that she intended to stay with her husband in Geneva, and extension was also sanctioned by the competent authority treating her leave upto 26-9-83 as ELAP and from 27-9-83 onwards as EOL. She however, continued to remain absent from duty thereafter also without applying for leave or without any intimation.

Assistant Collector, Central Excise (Refunds) Bombay-I, therefore issued a memo under F. No. II/20-UDC/78/6279 dated 19-12-85 directing her to resume her duties immediately, and to state why disciplinary action should not be initiated against her for unauthorised and wilful absence. Since nothing was heard from her, another memo was issued by Assistant Collector, Central Excise (Refunds) Bombay-I under F. No. II/20-UDC/78 on 22-1-86 by Regd. Post. A.D. In response to this memo Smt. S. S. Gad, U.D.C. vide her letter dated 6-2-86 has informed that her husband is in contract with Libiyan Government till July 1986 and since she has a dependent visa with her husband, it is not possible for her to leave Libiya alone. She further informed that she would be able to join her duties from Aug. 1986 and requested to sanction her leave till August 1986.

Smt. S. S. Gad, U.D.C. by her above acts, acted in a unbecoming manner of Government servant and thereby contravened the provisions of Rules 3(i)(ii) and (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1965.

The chargesheet under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 was therefore issued to Smt. S. S. Gad, U.D.C. vide F. No. II/8B-43/85 dated 15-5-86 on the following counts :

Smt. S. S. Gad, while functioning as U.D.C. in the Office of Assistant Collector, Central Excise (Refunds) Bombay-I is alleged to have committed gross misconduct indiscipline and dereliction of duty inasmuch as :

She neither resumed her duties nor sent any intimation or application for remaining on leave and she unauthorisedly absented herself from duties. Though she was asked to reply to the memorandum within 10 days after the receipt of the said correspondence she did not care for the same.

Instead of submitting any reply to the chargesheet, Smt. S. S. Gad, U.D.C. vide her letter dated 15-6-86 again requested to grant 6 months leave without pay.

Deputy Collector (P&E) Central Excise, Bombay-I, vide his letter dated 7-8-86 therefore, again directed Smt. S. S. Gad, U.D.C. to submit her reply to the chargesheet issued to her. But she did not care to submit the same.

Since sufficient opportunity was given to Smt. Gad, U.D.C. and as there was no response from her, a decision to decide the case ex-parte was taken.

As per provision of Sub-rule (2) of Rule 19 of CCS (CCA) Rules, 1965 Shri J. T. Keswani, Assistant Collector (Legal) Hqrs. Bombay-I was appointed as Inquiry Officer and Shri E. P. Venugopalan Superintendent (Legal) Hqrs., Bombay-I was appointed as Presenting Officer to inquire into the charges framed against Smt. S. S. Gad, U.D.C.

Shri J. T. Keshwani, Assistant Collector (Legal) vide his letter F. No. V/Misc(Estt)/(47)HLC/86 dated 17-12-86 directed Smt. S. S. Gad, U.D.C. to present herself before him in his office on 19-1-87 at 11.00 hrs. for preliminary enquiry. The letter was forwarded to Smt. Gad, U.D.C. under Regd. Post. A.D. but neither postal acknowledgement nor any communication was received from Smt. S. S. Gad, U.D.C. Therefore, in order to give her a fair opportunity the oral Inquiry was adjourned to 19-2-87 and intimation of the same was again sent to Smt. S. S. Gad, U.D.C. by Regd. Post. A.D. on 19-1-1987. Communication of the date of enquiry was also sent on other known address of Smt. S. S. Gad, U.D.C. However neither any postal acknowledgement nor any communication was received from Smt. Gad, U.D.C. or nor did she appear in person for the enquiry. Meanwhile Shri E. P. Venugopalan Superintendent (Legal) Hqrs. Bombay-I retired voluntarily from service on 1-2-87, and consequently Shri V. G. Joshi, Superintendent, Central Excise (Legal) Hdqrs. Bombay-I was appointed as Presenting Officer on 13-2-87.

As Smt. S. S. Gad, U.D.C. failed to appear in person or submit any written representation to the inquiry officers despite sufficient opportunity given to her the Inquiry Officer completed the enquiry *ex parte* and submitted his report on 11-3-87.

#### FINDINGS

I have gone through the Inquiry Officer's report F. No. 11(Misc)Estt/(47)NLC/86/76 dated 11-3-87 and I fully agreed with it. Smt. S. S. Gad, U.D.C. remained absent from duty from 2-6-84 till date without permission or proper sanction or intimation. On the grounds that she wanted to stay with her husband abroad Smt. S. S. Gad, U.D.C. was intimated by Inquiry Officer to present herself for inquiry on 19-1-87 vide his letter dated 17-12-86 sent by Regd. Post. A.D. she was again directed by Inquiry Officer to appear before him on 19-2-87 vide his letter dated 19-1-87. The said letter dated 19-1-87 was sent to Smt. S. S. Gad, U.D.C. on 19-1-87 on another known address of hers. In spite of these no acknowledgement was received from Smt. S. S. Gad, U.D.C. Neither any communication was received from Smt. S. S. Gad, U.D.C. nor she appear before Inquiry Officer for the Inquiry. By her utter disregard proper sanction of leave Smt. S. S. Gad, U.D.C. has shown that she is not interested in Government Service and has rendered herself unfit for the same.

#### ORDER

WHEREAS on consideration of the records of the disciplinary proceedings instituted against Smt. S. S. Gad, U.D.C. Central Excise, Bombay-I, I am satisfied that good and sufficient reasons exist for imposing upon the said Smt. S. S. Gad, U.D.C. the penalty hereinafter specified.

Now, therefore taking all the circumstances into account, I find that the punishment of dismissal would be the most appropriate penalty in this case, accordingly, I order that Smt. S. S. Gad, U.D.C. be dismissed from Government Service with immediate effect.

The Inquiry Officer's report is enclosed herewith.

B. S. PRASAD  
Dy. Collector (P&E)  
Central Excise, Bombay-I

BY REGD. POST A.D.

To

Smt. S. S. Gad, U.D.C.,  
Central Excise, Bombay-I,  
C/o Shri Shripad N. Gad, P&S Engineer,  
Medical Equipment Co.,  
Post Box 12419  
TRIPOLI, SPLAJ

Smt. S. S. Gad, U.D.C.,  
Central Excise, Bombay-I,  
C/o Shripad M. Gad,  
Backman Service Delegate,  
Medical Equipment Co.,  
P.O. Box 750 BENGHAZI,  
LIBIA SPLAS

Smt. S. S. Gad, U.D.C.,  
Central Excise, Bombay-I,

Through : A.C.C. Ex. (Refunds) Bombay-I

Copy to : Asstt. Collector, Central Excise, Bombay-I (Refunds). He is requested to deliver the said order to Smt. S. S. Gad, U.D.C. on her permanent address at Bombay and send her dated acknowledgement to this office.  
: Estt./Con/C.A.O./P.A.O. Central Excise, Bombay-I.... for information.